HBK-02

June - Examination 2026
B.A./ B.Sc. (Part-I) Examination
हिन्दी
हिन्दी भाषा कौशल–II
Paper : HBK-02

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) उलटबाँसियाँ का तात्पर्य क्या है?
   (ii) तुलसीदास ने 'रामचरितमानस' किस भाषा में लिखी?
   (iii) मीरां बाई की भक्ति किस प्रकार की थी?
   (iv) जयशंकर प्रसाद की दो कहानी एवं दो नाटकों के नाम लिखिए।
   (v) ताराप्रकाश जोशी की दो रचनाओं के नाम लिखिए।
   (vi) 'आचरण की सभ्यता' और 'मजदूरी और प्रेम' निबन्धों के लेखक का नाम बताइए।
   (vii) संस्मरण के तत्व लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

दुलहनीं गावहु मंगलचार।
हम घरि आये हो राजा राम भरतार।
तन रत करि मैं मन रति करि, पंचतत्व बराती।
रामदेव मोरे पाहुँने आये, मैं जोबन मदमाती।
सरीर सरोवर बेदी करिहूं, बह्मा बेद उचार।
रामदेव सगि भाँवीर लैहूं, धनि–धनि भाग हमार।
सुर तैंतीस कौतिग आये, मुनिवर सहस अठयासी।
कहै कबीर हम ब्याहि चलै हैं, पुरिष एक अविनासी।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

वरदंत की पंक्ति कुंदकली, अधराधर पल्लव, खोलन की
चपला चमकै धन बीच जौ, छवि मोतिन माल अमोलन की।।
घुंघरारि लटैं लटकैं मुख ऊपर, कुण्डल लोल कपोलन की।
निवछावरि प्रान करें 'तुलसी' बलि जाऊँ लला इन बोलन की।।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

बसौ मेरे नैनन में नन्दलाल।
मोहिनी मूरति, साँवरी सूरत, नैणा बने बिसाल।
अधर सुधारस मुरली राजति, उर–वैजंती माल।
छुद्रघंटिका कटितट सोभित, नुपूर सबद रसाल।
मीरां के प्रभु संतन सुखदाई, भक्त बछल गोपाल।।

5. जयशंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य का निरूपण कीजिए।

6. सिद्ध कीजिए ताराप्रकाश जोशी एक सफल गीतकार हैं।

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''इतना जल। इतनी शीतलता ह्रदय की प्यास न बुझी।
पी सकूंगी!? नहीं। तो जैसे बेला से चोट खाकर
सिन्धु चिल्ला उठता है, उसी को समान रोदन करूँ?
या जलते हुए स्वर्ण गोलक सदृश अनन्त जल में डूब कर बुझ जाऊँ?''

8. 'सच्ची वीरता' निबंध के आधार पर असली वीरों और नकली वीरों के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

9. गाँधीजी की आत्मकथा के आधार पर गाँधीजी की चरित्र की विशेषताएँ रेखांकित कीजिए।

खण्ड–'स' 2×14=28

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. महादेवी वर्मा के 'सुभद्रा' संस्मरण के आधार पर सुभद्रा कुमारी की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

11. मीरां बाई की भक्ति भावना की विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

12. छायावादी कवि जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

13. तुलसीदास की भक्ति भावना की विशेषताएँ उदाहरण सहित समझाइए।
